Artificial Intelligence - AI

ब्रह्मांड में अब तक मनुष्य ही एक ऐसा प्राणी साबित हुआ है जिन्हें प्रकृति (ईश्वर) ने दिमाग प्रदान कर रखा है। इसी दिमाग की बदौलत इंसान बुद्धिमान बनता है और बेवखुफ भी। "**जैसी करनी, वैसी भरनी**" और "**विनाश काले विपरीत बुद्धि**" - इस दोनों कथन के अनुसार इंसान अपनी दिमाग का सही इस्तेमाल कर अपने आप को उन्नति की उच्चत्तम शिखर पर पंहुचा सकता है और गलत इस्तेमाल से विनाश के पथ पर जा सकता हैं। ब्रह्माण्ड में सृष्टि का विकास लगातार जारी है। मनुष्य ने कोई बार अपने दिमाग अथवा बुद्धि का इस्तेमाल कर सृष्टि के कार्य में भी हस्तक्षेप किया है और उनका खामियाजा भी भुगतना पड़ा। इसके अलावा मनुष्य अपने कुशल बुद्धि का उपयोग हजारों वर्षो से कल्याणकारी कार्यों में भी करता आया है। इसका नतीजा आज हर कोई देख सकता है और समझ भी सकता है। जो भी उपलब्धि हमे विज्ञान से प्राप्त हुआ है, उससे हमरी जीवन शैली को पूरी तरह से बदलकर रख दिया है। इसकी झलक खाने-पीने से लेकर, चिकित्सा क्षेत्र, इन्टरनेट और मोबाइल जैसे उपकरणों का इस्तेमाल आदि, और हर क्षेत्र में साफ साफ दिखाई दे रहा हैं।

तकनिकी क्षेत्र में इंसान ने इतना ज्यादा विकास कर लिया है की अब उसी की तरह सोचने, समझने और अपने दिमाग का इस्तेमाल करने वाला एक चलता फिरता मशीन तैयार करने के बारे में सोच रहा हैं। ऐसा मशीन जो बिलकुल इंसानों जैसी काम करने की क्षमता रख सकता हैं। हालांकी इसकी तैयारी काफी पहले से ही हो रहा है और ऐसे मशीनों का इस्तेमाल हम कर भी रहे है और करते हुए देख भी रहे है। एक छोटा सा कैलकुलेटर से लेकर कंप्यूटर, मोबाइल, उपग्रह प्रक्षेपण आदि पर यह देखा गया है की मशीन बिना इंसानी हस्तक्षेप के बहुत सारे कार्य स्वयं ही कर सकता है। पुरे विश्व के वैज्ञानिक दिन रात ऐसी कार्य में जुड़े हुए है जिससे मशीनों पर इंसानों जैसी कार्य करने की प्रवृति पैदा हो। मशीन में इंसान जैसी बुद्धि का विकास, सोचने समझने की शक्ति प्राप्त हो, बिना इंसान के हत्सक्षेप के ही महत्वपूर्ण कार्य को पूरा किया जा सके। Holywood और Bolywood में कोई सारे ऐसे फिल्में भी बन चुकी है जहां मशीनों को इंसानों से श्रेष्ठ दिखाया गया है।

इंसानों के मस्तिष्क में दिमाग और बुद्धिमता का विकास प्राकृतिक रूप से विकसित होता है। इंसानों में बुद्धिमता का यह विकास **देखकर**, **सुनकर**, **छूकर** और **महसूस** कर अपने आप ही विकसित होता है। इसीलिए इंसान के अंदर होने वाले इस तरह के विकास को Natural Intelligence कहते हैं।

दूसरी और, मशीनों के अंदर इंसानों द्वारा विकसित किया दिमाग और बुद्धिमता को Artificial Intelligence कहते हैं क्यूंकि यह आपने आप प्राकृतिक रूप से न होकर इंसानों द्वारा कृत्रिम रूप से विकसित किया जाता हैं। यही कारण है की कोई भी मशीन या इंसानी आकार का रोबोट अभी तक पूर्ण रूप से इंसानों की तरह कार्य करने में सक्षम नही हो पाया है। इसके अलावा मानवों में और एक प्रवृति होती है जो Artificial Intellgence वाले रोबोट या मशीन में अभी तक विकसित नही हो पाया हैं। इंसानों में भावुकता वाले लक्षण देखे जाते है। सुख, दुख, हँसना, रोना, गुस्सा, आदि जैसे स्वाभाव इंसान में देखे जाते है लेकिन Artificial Intellgence वाले रोबोट या मशीन में इस तरह की भावनात्मक प्रवृति अभी तक विकसित नही हो पाया है।

इंसानों जैसे प्रवृति Artificial Intellgence वाले रोबोट या मशीनों में विकसित होने पर क्या-क्या परिणाम हो सकते है?

कुछ कार्य ऐसे होते जिनका परिणाम दूरगामी होते है। इंसान द्वारा मशीनों और रोबोट में Artificial Intellgence को विकसित करने का कार्य जोर शोर से लगातार जारी है। मनुष्य की मस्तिस्क में दिमाग और बुद्धि की मात्रा को नापना असंभव हैं। इसीलिए ऐसी संभावनाए से इनकार नही किया जा सकता की आने वाले समय में मशीन और रोबोट में इंसान के बराबर हर तरह की प्रवृति विकसित हो जायेगी। यह भी संभावनाए है की इंसान से भी श्रेष्ठ हो जाये। ऐसी स्थिति में दो ही परिणाम हो सके है – **विकास** या **विनाश**

Artificial Intellgence के माध्यम से विकास की असीमित संभावनाए

1) Artificial Intellgence के माध्यम से त्रुटियों/errors का तुरंत पता लगाकर कोई तरह के समस्याओं को जल्द से जल्द सुलझा लिया जा सकता हैं।
2) जल्द से जल्द निर्णय लेने में और तेजी से कार्य करने में Artificial Intellgence काफी मददगार साबित हो रहा है।
3) मनुष्य की तरह रोबोट और मशीनों को आराम करने की जरूरत नही पडती है। लंबे समय तक कार्य करने में सक्षम होते है। इंसान द्वारा रोबोट और मशीनों में अभी तक भावनात्मक प्रवृति विकसित करने में सफलता प्राप्त नही हुआ है। यही कारण है की काम करने के दौरान रोबोट और मशीन न तो विचलित होते है, न उबते है और न ही थकते है।

4) Artificial Intellgence की मदद से संचार, रक्षा, स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन, कृषि आदि क्षेत्र में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

Artificial Intellgence के माध्यम से बिनाश का खतरा

1) Artificial Intellgence के माध्यम से मनुष्य का नुक्सान भी हो सकता है। अगर AI मनुष्य के काम करके खुद ही बड़े निर्णय लेने लगे और उनपर नियंत्रण न रख पाने की स्थिति में कोई सारे मोर्चे पर खतरे की स्थिति पैदा हो सकती है।
2) गुजरते वक्त के साथ AI में जिस तरह विकास का दौर निरंतर जारी है , इसमें कोई शक नही की आने वाले समय में इंसानों का अधिकतम कार्य रोबोट या मशीनों द्वरा होने लगेगा और इससे बेरोजगारी में इजाफा होगा।
3) इस संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता की पूर्ण रूप से विकसित AI के कारण अगर रोबोट और मशीन इंसान को अपना दुश्मन समझ बैठे तो पूरी मानव जाती के लिए भयंकर खतरा पैदा हो सकता है। इससे पृथ्वी के साथ साथ पुरे ब्रह्मांड में विनाश के बादल छा जायेंगे और पूरा जीवन नष्ट हो सकता हैं।

इंसान Artificial Intellgence का उपयोग हर क्षेत्र में अपने फायदे के लिए कर रहा है लेकिन भविष्य में संभावित खतरों को नजरंदाज किये बगैर इस पर गहन अध्यन और चिंतन करने की भी जरूरत है। AI के इस्तेमाल से तमाम फायदों के बावजूद इसमें खतरे होने की संभावनाओं से भी इनकार नही किया जा सकता है। समय आ गया है की इंसान अपने उस बुद्धिमता का परिचय दे जिससे यह साबित हो सके की Natural Intelligence ही Artificial Intelligence से श्रेष्ठ हैं।